

# भाषा संगम *Bhasha Sangam*

Urdu

Volume 22

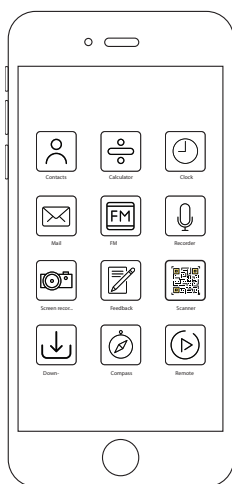


एक भारत श्रेष्ठ भारत

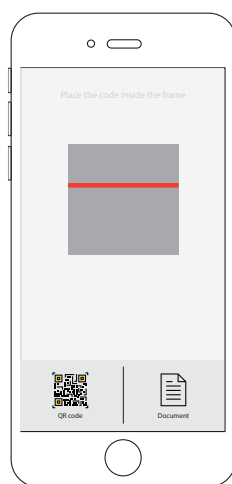
# STEP-BY-STEP GUIDE FOR USERS TO ACCESS E-RESOURCES LINKED TO QR CODES

The coded box included in this book is called Quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios related to the sentences in the 22 languages given in the book. The first QR code is to access the complete e-book. The subsequent QR codes will help to access the relevant e-Resources linked to the languages in alphabetical order. This will help you enhancing your learning in joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your mobile phone or tablet.



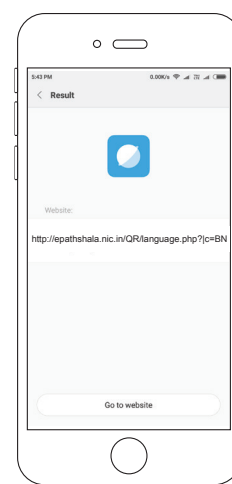
Install QR Code Scanner app from Play Store and open



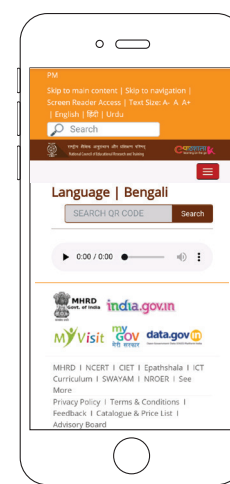
Get ready with QR code scanning window



Place scanner above the QR code




Select and click on the link



Use available e-Resource

For accessing the e-Resources on a computer or laptop follow the steps stated below:

1. Open the web browser like Firefox, Chrome etc. 
2. Go to the ePathshala website (<http://epathshala.gov.in>) and click on **Ek Bharat Shreshtha Bharat** Menu
3. Select the language and access the audio and video

# भाषा संगम *Bhasha Sangam*



**Urdu**

Volume 22

एक भारत श्रेष्ठ भारत

धर्मेन्द्र प्रधान  
धर्मेश्वर प्रधान  
Dharmendra Pradhan



मंत्री  
शिक्षा; कौशल विकास  
और उद्यमशीलता  
भारत सरकार

Minister  
Education; Skill Development  
& Entrepreneurship  
Government of India

### संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (NCERT), नई दिल्ली विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को रुचिकर एवं आनंदप्रद बनाने के उद्देश्य से बहुआयामी तथा रोचक गतिविधियों को तैयार कर रहा है।

हमारा देश 'विविधता में एकता' की भावना को सम्पुष्ट करने वाला देश है। बहुभाषिकता हमारे देश की अनूठी विशेषता है। हम आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से तो एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं ही, साथ ही भारतीय भाषाएं अंतर्भाषिक रूप से भी एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। इसलिए बहुभाषी होना हमें एक-दूसरे को जानने, समझने के साथ-साथ देश को भी मजबूती से जोड़ने में मदद करता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी बहुभाषिकता को एक ताकत के रूप में देखा गया है। शोध एवं अनुसंधानों से स्पष्ट है कि शुरुआती वर्षों में बच्चों में भाषा सीखने की अद्भुत क्षमता होती है। इसलिए कई भाषाओं के माध्यम से खेल-खेल में सीखने संबंधी अभ्यास करवाया जाए तो निश्चय ही बेहतर परिणाम होंगे। साथ ही, अन्य विषयों को सीखना भी आसान हो जाएगा। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा में उनकी मातृभाषाओं या आस-पास की भाषाओं के साथ-साथ अन्य भाषाओं से भी परिचय कराने का प्रावधान किया गया है। शुरुआती दौर में यह प्रयास हमारे संविधान में शामिल 22 भारतीय भाषाओं तथा अंग्रेजी के माध्यम से किया गया है, जिसका धीरे-धीरे अन्य भाषाओं तक विस्तार किया जाएगा।

एनसीईआरटी द्वारा बहुत ही रचनात्मक ढंग से अनेक बहुआयामी एवं रोचक गतिविधियों को तैयार किया गया है। इसके माध्यम से बच्चे खेल-खेल में पूरे देश की संस्कृति, समाज, भूगोल, रहन-सहन इत्यादि को जान सकते हैं। यह रचनात्मकता आकलन संबंधी रचनात्मकता की भी मांग करती है, इसलिए ऐसे कुछ आकलन संबंधी बिंदु भी इसमें शामिल किए गए हैं। एनसीईआरटी का यह प्रयास निश्चित ही पूरे भारत को एक सूत्र में बांधते हुए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना को समृद्ध करेगा तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को व्यवहारिक रूप प्रदान करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगा।

मैं संस्थान को इन उत्कृष्ट प्रयासों हेतु हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

धर्मेन्द्र  
(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा



कौशल भारत, कुशल भारत

MOE - Room No. 3, 'C' Wing, 3<sup>rd</sup> Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 115, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365  
MSDE - Room No. 516, 5th Floor, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110001, Phone : 91-11-23465810, Fax : 011-23465825  
E-mail : minister.sm@gov.in, minister.msde@gov.in

## About Bhasha Sangam...

Language is a major instrument in shaping individuals, society, culture, learning and education, thinking and identity of people. Language learning, as we know, is fundamental to all learning and harmonious development of young children into citizens for a country. Learning many languages in school and in society is common in our country and almost all Indians are multilinguals. This multilingual characteristics of the country is reflected in school education as the school curriculum advocates learning of many languages.

**Bhasha Sangam** is yet another effort in moving towards achieving the goal of education as also the vision of the Indian Constitution. **National Education Policy 2020**, while deliberating on language education in school underscores the need for recognising and promoting multilingualism as a path to realising the fundamental aims of education and schooling. The effort to enable our learners learn and use 100 sentences in the 22 languages will go in a long way in promoting language learning and understanding others through schooling. I sincerely hope that this programme of *Bhasha Sangam* is taken in all seriousness and implemented in schools to achieve the goals of education.

I wish all learners, teachers and head teachers the best to benefit the maximum from *Bhasha Sangam*.

भाषा वह माध्यम है जो प्रत्येक व्यक्ति, समाज, संस्कृति, शिक्षा, चिंतन और जन अस्मिता को स्वरूप प्रदान करता है। जैसा कि विदित है कि भाषा सीखना और सिखाना मानवता के लिए एक मूलभूत आवश्यक तत्त्व है। इसके परिणाम स्वरूप नागरिकों में एकता और सद्भावना विकसित होती है। विद्यालयों में अनेक भाषाओं का शिक्षण एक सामान्य बात है और लगभग सभी भारतीय बहुभाषी हैं। बहुभाषिकता की इसी विशेषता को लक्षित करते हुए स्कूली पाठ्यक्रम में बहुभाषिकता को प्रोत्साहन प्रदान करना आवश्यक है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत भाषा संगम एक प्रयास है जो यह सुनिश्चित करता है कि सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान और प्रसार हो। इसके अंतर्गत यह चेष्टा की गई है कि सभी शिक्षार्थी 22 भाषाओं में 100 वाक्यों को सीखने और बोलने का प्रयास करेंगे। इस प्रकार विभिन्न भाषाओं के प्रति समझ, रूचि और बोध संभव होगा।

मुझे पूरी आशा है कि भाषा संगम को पूर्ण गंभीरता से कार्यान्वित किया जाएगा, जिससे स्कूली शिक्षा के हमारे इस महती लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकेगा। मैं सभी शिक्षार्थियों, अध्यापकों और विद्यालय प्रमुखों को भाषा संगम अभियान का लाभ उठाने की शुभकामनाएँ देता हूँ।



Sridhar Srivastava

Director

National Council of Educational Research and Training

New Delhi 110016

# एक भारत श्रेष्ठ भारत भाषा संगम



आप और हम एक ऐसे देश में रहते हैं जहाँ थोड़ी-थोड़ी दूरी पर भाषा बदल जाती है। आप एक से ज़्यादा भाषा जानते, समझते, सुनते या बोलते होंगे, इस बात में कोई शक नहीं हो सकता। यह हमारे देश और समाज की खूबसूरती है। आपकी कक्षा में आने वाले बच्चे भी ऐसे पारिवारिक या सामुदायिक परिवेश से आ सकते हैं जहाँ एक से ज़्यादा भाषाएँ बोली जाती हों। संभावना ये भी है कि स्कूल में इस्तेमाल होने वाली भाषा बच्चों के परिवेश में मौजूद न हो। इस सामाजिक सच्चाई को स्कूल में उचित स्थान मिलना ज़रूरी है।

इन्हीं विविधताओं का सम्मान करते हुए और उन्हें आपस में जोड़े रखने के लिए “एक भारत, श्रेष्ठ भारत” के अंतर्गत ‘भाषा संगम’ कार्यक्रम की परिकल्पना की गई है। ‘भाषा संगम’ हमारे संविधान की आठवीं अनुसूची में निहित भारतीय भाषाओं से विद्यार्थियों को परिचित करवाने और बहुभाषिकता के प्रति जागरूक करने की ओर एक पहल है। इसके फलस्वरूप विद्यार्थी न केवल बहुभाषिकता के प्रति जागरूक होंगे बल्कि उस भाषा का इस्तेमाल करने वाले लोगों की सामाजिक, सांस्कृतिक व्यवहारों और संदर्भों को समझ पाएंगे।

## भाषा संगम के उद्देश्य

- भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में निहित सभी 22 भारतीय भाषाओं से विद्यार्थियों को परिचित करवाना।
- सभी भाषाओं के प्रति आदर और सम्मान को बढ़ावा देना।
- विद्यार्थियों को इन भाषाओं के माध्यम से देश की अनूठी सांस्कृतिक छटाओं और व्यवहारों के समीप लाना।

## भाषा संगम का क्रियान्वयन

भाषा संगम की शुरुआत में विद्यार्थियों को अलग-अलग भाषाओं के पाँच वाक्य सीखने के मौके दिये गए। फलस्वरूप विद्यार्थियों में इन भाषाओं को विस्तार से जानने की और इन भाषाओं को बोलने वाले लोगों के सांस्कृतिक, सामाजिक व भाषिक व्यवहार को जानने समझने की जिज्ञासा बढ़ी। इसलिए विद्यार्थियों को 22 भाषाओं में लगभग 100 वाक्यों के गुच्छे सीखने के लिए दिये जा रहे हैं। इन वाक्यों से परिचित कराने से पहले एक अपेक्षित माहौल बनाने की जरूरत होगी, जिससे कि दूसरी भाषाओं को सीखने में सुगमता और सहजता आ सके। हमारा विश्वास यह है कि विद्यार्थी इन्हीं वाक्यों तक सीमित न रह कर आगे बढ़ें।

- यह कार्यक्रम राज्यों व केन्द्रशासित प्रदेशों के विद्यालयी शिक्षा विभाग द्वारा संचालित किया जाएगा।
- इस कार्यक्रम में संविधान में दी गई सभी 22 भाषाओं का समावेश किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 22 भारतीय भाषाओं में सरल व सामान्य रूप से इस्तेमाल होने वाले छोटे-छोटे वाक्य तैयार किए गए हैं जिन्हें सभी विद्यार्थियों के साथ एक पुस्तिका के रूप में साझा किया जाएगा।



## पुस्तिका की प्रस्तुति/ रूपरेखा इस प्रकार है -

- इस पुस्तिका में दिये गए वाक्य संवाद शैली में बने हैं। ये वाक्य विद्यार्थियों के लिए प्रासंगिक एवं दैनिक जीवन से संबद्ध विषयों पर आधारित है।
- इन वाक्यों की रूपरेखा कुछ इस प्रकार से की गई है: पहले मूल भाषा में फिर देवनागरी लिपि में फिर उसका हिंदी अनुवाद - रोमन लिपि में व अंग्रेजी में अनुवाद किया गया है।
- इन विषयों पर आधारित वाक्यों को सीखने-समझने और अभ्यास करने के लिए 20 कार्य दिवस प्रस्तावित किए गए हैं।
- प्रत्येक विषय और उसके अंतर्गत आने वाले वाक्यों के लिए दिनों का निर्धारण सुझाया गया है। यदि किन्हीं दिनों में वाक्यों की संख्या अधिक है तो उनके अभ्यास के लिए आवश्यकतानुसार दिनों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।
- औपचारिक रूप से इस पुस्तिका के इस्तेमाल के लगभग एक माह पहले उपयुक्त परिवेश बनाने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।
- अभीष्ट उद्देश्य की प्राप्ति के लिए इस प्रक्रिया को अभ्यास के द्वारा आगे के महीनों में भी दोहराया जा सकता है।
- इस परियोजना के दस्तावेजीकरण के लिए और विद्यालयों को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ सुझाव हैं, जैसे- विद्यालय विद्यार्थियों की प्रमुख गतिविधियों/दैनिक गतिविधियों के छायाचित्र और वीडियो तैयार कर 'अपलोड' करेंगे। राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेशों के विद्यालयी शिक्षा विभाग, डी.ई.ओ. और बी.ई.ओ. भी इन गतिविधियों की तस्वीरें और वीडियो राज्य स्तर, जिला स्तर या ब्लॉक/ संकुल स्तर पर 'अपलोड' कर सकते हैं। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के द्वारा 'अपलोड' की गई अथवा भेजी गई तस्वीरों और वीडियो के आधार पर सर्वश्रेष्ठ विद्यालय, सर्वश्रेष्ठ ब्लॉक, सर्वश्रेष्ठ जिला, सर्वश्रेष्ठ राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेश का चयन कर उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा।
- यदि कुछ विद्यार्थी अन्य भाषा बोलना और पढ़ना-लिखना जानते हैं तो उन्हें पढ़ने के लिए और दूसरों को पढ़ना-लिखना सिखाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसी प्रकार यदि कोई अध्यापक/ अध्यापिका, अभिभावक, सरकारी कर्मचारी या कोई अन्य उस भाषा को पढ़ सकते हों तो उन्हें उन वाक्यों को पढ़ने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।
- प्रस्तावित पुस्तिका और उससे संबंधित गतिविधियाँ अर्थपूर्ण और रोचक माहौल में आयोजित की जानी चाहिए ताकि बच्चे सीखी जाने वाली भाषा का इस्तेमाल रोजाना की आपसी बातचीत में करने की कोशिश करें। ऐसा करने में कुछ हँसी-मजाक का माहौल भी बन सकता है। शिक्षक भी बच्चों के साथ इस बातचीत में शामिल हों।

## प्रस्तावित गतिविधियाँ

- यहाँ 12 विभिन्न विषयों पर लगभग 100 वाक्य दिए गए हैं। राज्य/विद्यालय किसी भी दूसरे राज्य की भाषा, बोलने और अभ्यास के लिए चुन सकते हैं। यह बातचीत प्रातःकालीन सभा में की जाएगी।
- विद्यार्थियों को इन वाक्यों पर पोस्टर तैयार कर उन्हें विद्यालयों में लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
- विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए अध्यापकगण उसी भाषा में बच्चों को संबोधित करेंगे और उनसे बातचीत करेंगे।
- विद्यार्थियों को इस बात के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा कि घर पर परिवार के सदस्यों के साथ इन वाक्यों को साझा करें।

- इस पहल/कार्यक्रम से संबंधित अन्य गतिविधियों का आयोजन विद्यालय अपने स्तर पर कर सकते हैं।
- इन भाषाओं के लोक-गीतों, प्रचलित गाने, खेल-गीत, कविताओं का इस्तेमाल इस भाषा के प्रति रुझान उत्पन्न करने के लिए किया जा सकता है।
- भूगोल, भाषा, इतिहास, पर्यावरण अध्ययन आदि विषय पढ़ाते समय ये संवाद/ वाक्य समुचित स्थान पर यथासम्भव उपयोग में लाए जा सकते हैं, क्योंकि ये संवाद/ वाक्य बच्चों के लिए प्रासंगिक विषयों पर आधारित हैं।

भाषा संगम एक ऐसा कार्यक्रम है जो विद्यार्थियों को देश के राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों और उनमें समाहित सांस्कृतिक, भाषिक विविधता को समझने का अवसर देगा। यह कार्यक्रम आपसी संवाद की एक पहल है।

## आपके स्कूल में यह कार्यक्रम सुचारू रूप से चल सके उस के लिए आप कुछ तैयारी इस तरह से कर सकते हैं:

- विद्यालय प्रमुख स्कूल के सभी अध्यापकों के साथ इस कार्यक्रम से जुड़ी सामग्री को जरूर पढ़ें। पढ़कर उस पर चर्चा हो और कार्यक्रम के हर पहलू पर बातचीत हो। यह कार्यक्रम बहुभाषिकता की समझ पर टिका है इसलिए इस पर साझा समझ बनाना बेहद जरूरी है।
- अभिभावकों की साझेदारी इस कार्यक्रम में जरूरी है। शिक्षक अभिभावक संघ की मीटिंग के जरिये अभिभावकों को इस कार्यक्रम से परिचित करवाएं और उन्हें अपने विचार और सुझाव रखने को कहें।
- इस कार्यक्रम की सफलता के लिए जरूरी है कि स्कूल में सभी अपनी जिम्मेदारी जानते हों। कक्षा 4 से 8 तक पढ़ाने वाले शिक्षकों में से एक मुख्य समन्वयक की जिम्मेदारी ले लें और 2-3 शिक्षक सह-समन्वयक की भूमिका में मदद कर सकते हैं।

## भाषा संगम के लिए तैयारी— कक्षा में माहौल बनाना

यह कार्यक्रम बच्चों के अनुभव क्षेत्र में एक ऐसी भाषा ले कर आ रहा है जो आमतौर पर आपके स्कूल के बच्चों ने कभी न सुनी हो, हो सकता है भाषा का नाम सुना हो पर भाषा सुनने का कभी मौका न मिला हो। यह भाषा अपरिचित तो लग ही सकती है, इस की ध्वनियाँ, वाक्यों का उतार-चढ़ाव, यह सब भी एक नयापन लिए सुनाई देंगे। बच्चों और खुद के कानों को इस भाषा की आवाजों और उच्चारणों की आदत डालनी होगी। इस के लिए आप महीने भर का समय लें और इस समय में भाषा को सुनने का मजा लें। इस मजे में भाषा से दोस्ती हो पाएगी।

सरल और सहज माहौल जिस में भाषा के कुछ खेल, गीतों, जनमानस में छाए लोक गीतों, बच्चों के लिए उपयुक्त फ़िल्मी गानों का भरपूर इस्तेमाल हो। पहेलियाँ और चुटकुले पीछे न रह जाएँ- खासकर वो जिनमें ध्वनियों, शब्दों का खेल हो। कुछ साधन-सामग्री तो आप तक पहुंच ही जाएगी पर इन्टरनेट का भी सहारा लें। सुनें, सुनाएं, गाएं, गुनगुनाएं, खेलें। आप के उत्साह और आप को आ रहे आनंद से बेहतर साधन-सामग्री असल में कुछ भी नहीं है। इस में आपको कक्षा में बहुत समय देने की जरूरत भी नहीं है। दिन में दो-दो बार 10-15 मिनट काफ़ी होंगे। बस आप की तैयारी पूरी रहे। ऐसा समय अच्छा हो सकता है जब बच्चे दिमागी कवायद से थक गए हों या फिर खाने से ठीक बाद के 10-15 मिनट या फिर घर जाने से पहले। यह पूरी कोशिश केवल कानों को नयी भाषा सुनने के लिए अभ्यस्त करने की है और उस में आनंद लेने की। इसे आप औपचारिकता से दूर रखें। इस महीने में बच्चों को किसी भी तरह से परखा न जाए।



- इस दौरान आप को कुछ ऐसे स्रोतों की जरूरत पड़ सकती है जिस से कक्षा में नयी भाषा सीखने का माहौल बन सके। नीचे कुछ ऐसे ही स्रोतों की सूची है जहाँ आपको विभिन्न भाषाओं में सामग्री मिल सकती है:

- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली
- राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
- जिलों के मंडल शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
- सांस्कृतिक संदर्भ एवं प्रशिक्षण केंद्र
- चिल्ड्रेन फिल्म सोसाइटी
- नेशनल बुक ट्रस्ट

## सीखने की प्रक्रिया- बच्चों की प्रतिक्रियाएं

जब एक ऐसी भाषा बच्चों के कानों में पड़ेगी जो उन्होंने पहले नहीं सुनी तब बच्चों की प्रतिक्रियाएँ अलग-अलग तरह की होंगी। हो सकता है कुछ बच्चे शुरुआत में कोई दिलचस्पी न दिखाएं, हो सकता है कुछ को अटपटी लगी, कुछ को मजेदार लगे और कुछ इसका मजाक भी उड़ाएं। हमें सभी तरह की प्रतिक्रियाओं के लिए तैयार रहना होगा। हम जितने सम्मान, दिलचस्पी और उत्साह के साथ इस भाषा के साथ बच्चों का परिचय करवाएंगे बच्चों का रवैया भी भाषा के प्रति वैसा ही विकसित होगा।

## रचनात्मक आकलन

आकलन के समय इस खयाल को जहन में रखना मददगार होगा कि कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को भाषा सिखा देना नहीं है। बीस दिन में यह संभव भी नहीं। सम्बंधित भाषा के ये वाक्य बच्चों को उस भाषा को सुनने का सन्दर्भ देते हैं। यह कार्यक्रम इन वाक्यों को यांत्रिक रूप से रटा देने का भी उद्देश्य नहीं रखता। **कार्यक्रम के दौरान अगर अपनी भाषा(ओं) से अलग भाषा(ओं) के प्रति हमारे रवैये में एक बदलाव आने लगे तो यह इस कार्यक्रम की सफलता का संकेत होगा।** बच्चों में ये समझ बन पाए कि देश (और संसार) में अनेक भाषाएँ हैं और ये भाषाएँ उतनी ही सक्षम और सुन्दर हैं जैसे की उनकी भाषा। भाषाओं के प्रति प्रेम और आदर इस समझ से ही पनप सकता है। हमारे आकलन के तरीके भी इस समझ को पहचानें – यह जरूरी है। आकलन का सन्दर्भ ऐसा ही हो जिसमें बच्चे भाषा के इस्तेमाल का आनंद ले सकें।

**बीस दिन के केन्द्रित भाषा कार्यक्रम के दौरान बच्चों की प्रतिक्रियाओं, भागीदारी और उत्साह का आप अवलोकन करें।** आप अपनी टिप्पणियों को एक नोटबुक में दर्ज करते रहें। अगर आपने महीना भर कक्षा में नयी भाषा के लिए माहौल बनाया है तो अवलोकन करना मुश्किल नहीं होगा। आकलन आप तीन स्तरों पर कर सकते हैं।

- कक्षा
- समूह या जोड़ों में

## ● हर बच्चे का

कार्यक्रम के सन्दर्भ में सुझाए गए इन वाक्यों के आधार पर बच्चों का आकलन सम्बंधित भाषा के अलग-अलग पहलुओं पर किया जा सकता है। वाक्यों को कई विषय-वस्तुओं में बाँधा गया है। इस तरह से हर विषय-वस्तु बातचीत का एक सुदृढ़ सन्दर्भ देती है। नीचे दिए हुए पांच प्रश्न भाषा के अलग-अलग पहलुओं पर केंद्रित हैं। **सम्बंधित भाषा की ध्वनियाँ, उसके शब्द, संदर्भ में शब्दों का अर्थ, कुछ मुख्य शब्दों को पहचान कर संदर्भ का अनुमान लगा पाना, संदर्भ में प्रश्न पूछ पाना। जैसे पहलू आकलन में शामिल हों।**

ध्यान दें कि यह आकलन किसी भी तरह से बच्चों की स्मरण शक्ति की जांच नहीं है। वैसे ही शुद्ध उच्चारण पर ज्यादा बल नहीं देना चाहिए क्योंकि किसी भी भाषा के उच्चारण में प्रांतीय प्रभाव स्वाभाविक है।

प्रश्न 1. क्या बच्चा सम्बंधित भाषा के वाक्यों को अन्य भाषाओं के वाक्यों से अलग सुन पाता है?

प्रश्न 2. क्या बच्चा (सुझाए गए इन वाक्यों में से) सुन कर विषय-वस्तु का अनुमान लगा पाता है?

प्रश्न 3. क्या बच्चा सुझाई गयी विषय-वस्तुओं पर केन्द्रित बातचीत के मुख्य शब्दों के अर्थ बता पाता है?

प्रश्न 4. क्या बच्चा सम्बंधित भाषा में पूछे गए प्रश्न का जवाब दे पाता है?

प्रश्न 5. सुझाई गयी विषय-वस्तुओं में से संदर्भ बताने पर क्या बच्चा सम्बंधित भाषा में प्रश्न पूछ पाता है?

ऊपर दिए गए प्रश्नों के जवाब पाने के लिए नीचे कुछ आकलन के तरीके सुझाए जा रहे हैं। आप इनको अपनी ज़रूरत और संदर्भ के हिसाब से बदल सकते हैं। आप उन बदलावों का या अपने बनाये तरीकों का विस्तृत विवरण ज़रूर रखें। तीन या चार भाषाओं के ऑडियो क्लिप बच्चों या बच्चे को सुनवाएं। सीखी जा रही भाषा के ऑडियो क्लिप को पहचानने के लिए कहें।

1. सम्बंधित भाषा में एक विषय-वस्तु पर बातचीत आप सुनाएं या दो बच्चों को रोले-प्ले करने के लिए कहें या फिर ऑडियो प्ले करें। बच्चों या बच्चे को बातचीत की विषय-वस्तु बताना है।
2. बातचीत की विषय-वस्तु बताने पर आप बच्चों या बच्चे से बातचीत में आए ऐसे शब्द और उनके अर्थ बताने के लिए कहें जिनके आधार पर उन्होंने विषय-वस्तु का अनुमान लगाया।
3. सुझाई गयी विषय-वस्तुओं में से किसी में से आप प्रश्न पूछें। बच्चे या बच्चा उस प्रश्न का उसी भाषा में जवाब दें।
4. आप एक सन्दर्भ का उल्लेख करें और बच्चों या बच्चे से पूछें की वे/वो सीखी जाने वाली भाषा में सन्दर्भ से जुड़ी बातचीत बताएं।

यह अच्छा होगा कि ये सभी गतिविधियाँ पहले पूरी कक्षा के साथ खेल-खेल में की जाएँ। बच्चों की अनुमान लगा पाने और अर्थ खोज पाने और समझने की क्षमता को सराहें। ये, दो कारणों से ज़रूरी है। भाषा की नींव अर्थ में है। दूसरा, रोजमर्रा की ज़िन्दगी में बहुभाषिकता में सटीकता पर जोर न हो कर एक-दूसरे को समझने की कोशिश होती है। कक्षा में भी हम समझने की कोशिश करें कि बच्चे क्या बताना चाह रहे हैं।

## ***Ek Bharat Shreshtha Bharat Bhaashaa Sangam***



We live in a country where language changes after a few kilometers. We appreciate, understand, listen to and speak more than one language. This is a beautiful aspect of our society and country. The students come to school with more than one language. There is a possibility that the language prevalent at the school may not be present in the child's social environment. This social reality must be recognised at school level.

Respecting the diversity and to keep all languages connected with one another, ***Bhaashaa Sangam*** under the programme, ***Ek Bharat, Shreshtha Bharat*** has been conceptualized. ***Bhaashaa Sangam*** reflects and realises the vision of the Indian Constitution on languages, linguistic and cultural diversity. This is a step towards creating an awareness and encouraging our students towards multilingualism. Consequently, students will not only become aware, but also understand socio-cultural behaviors of people using languages.

### **Objectives of Bhaashaa Sangam**

- To familiarise students with the 22 Indian languages of the 8th schedule of the Indian Constitution.
- To foster linguistic harmony among students and promote national integration through learning of languages.
- To bring students closer to the unique cultural hues and diversity of our country through languages.

### **Implementation of Bhaashaa Sangam**

In the first programme of *Bhaashaa Sangam*, students were exposed to and given opportunities to learn five sentences from the 22 scheduled languages. As a result, students developed curiosity to learn more about the languages and attempted to know more about the cultural, social as well as linguistic background of people who speak these languages. In this programme of *Bhaashaa Sangam*, students are being given bunches of about 100 sentences in the 22 languages. Appropriate environment needs to be created before introducing students to these sentences, so that these sentences can be learnt with ease and spontaneity. We believe that students will go beyond and become familiar with the languages.

- This programme will be operated and executed in all the states and union territories by the Education Department.
- All the 22 languages of the Indian Constitution are included in this programme. Short and simple sentences used in day-to-day life contexts have been prepared for this programme. These sentences are shared with schools, teachers and students in the form of audio, video with Indian Sign Language (ISL) and print booklet.

## Presentation of the booklet

- The sentences given in this booklet are in dialogue form. These sentences are relevant and based on the subjects /topics from the daily lives of students.
- The sentences are presented in the following way: **i.** In the Indian language, **ii.** In Devanagari script, **iii.** In Hindi, **iv.** In Roman script and **v.** In English.
- 20 working days have been assigned to understand and practice the sentences in different topics for one language.
- Allocation of days has been suggested for every topic and the sentences under each topic. If sentences are more for a topic, number of days can be increased for practice as required.
- Process for preparation of a conducive environment should start one month prior to the formal introduction of the sentences.
- To achieve the desirable objectives, the same content can be practiced and repeated in the following months.
- For documentation of this project and motivation of the schools, there are some suggestions. For example, schools can upload pictures and videos of principal activities/ daily exercises of students. Education Departments, C.E.Os, D.E.O., B.E.Os in the States and Union Territories can also upload the pictures or videos of these activities at the Block / Centre /Zonal or State levels. Ministry of Education (MoE), School Education and Literacy Department, Government of India can select best school, best block, best district, best state / union territory on the basis of these pictures / videos and confer prizes to them.
- If a student knows the language of the neighbouring state (reading, writing, speaking), s/he should be encouraged to help other students learn the same. Similarly, if a teacher, parent any other government servant or any other person knows some other language they can be invited to read out the sentences for students.
- Proposed activities must be conducted in conducive and interesting environment, so that the students can use the language they are learning in their daily conversation. This can also create a fun atmosphere. Teachers should also participate in the conversations.

## Proposed activities

There are about 100 sentences from different topics. **States / School systems can select a language of another state, practice and speak in the same language.**

- The dialogues / conversations will be practiced and done during the morning assembly and as and when students find time to do so.
- Students should be encouraged to prepare posters, infographics of depicting these sentences and display them on the notice boards or on walls in the schools.
- Teachers may address students in the same language to encourage them to use the language.
- Students would be encouraged to share these sentences with their family members and neighbours too.
- Activities related to this project can be organized at school level.
- To create further interest in the language, folk songs, popular songs, poems and game-songs can also be used.
- During the teaching of subjects like Languages, Geography, History and Science these sentences can be used at appropriate places in the right context as the sentences are relevant to the subjects and for students.

## To conduct this programme efficiently in our schools we can prepare in the following ways

- The Head of School and all the teachers must read the content related to this programme. After reading the content, there should be a discussion about various aspects of the programme. This programme is to promote multilingualism, so a shared vision has to be developed.
- The participation of parents is essential for the success of the programme. Parents should be made aware of the programme through Parent Teacher Meetings (PTM). They should be encouraged to share their ideas and suggestions.
- For making this programme a success, it is important that everyone in the school must be aware of their responsibility. One of the teachers teaching classes 4th to 8th should take the responsibility as a coordinator and two or three teachers can take up the role of co-coordinators.

## Preparation for multilingual class: Creating environment in the classroom

This programme will enable the students to experience a language that they might not have heard of in school. Probably, they may have heard the name of the language, but might not have any experience of listening to it. This language can not only be unfamiliar, but the

sounds, the voice modulations, all these can be very new to them. Students and teachers will have to familiarize themselves with the sounds and pronunciation of the language. We can spend an entire month on the same and enjoy listening to the new language. This engagement will result in friendship with the language.

Stress free, informal environment should be created with ample use of songs, games, popular folk songs and appropriate film songs. Riddles and jokes should not be left behind, especially those in which sounds and words are used in a playful manner. Materials will be made available to you but feel free to use resources from internet. Enjoy speaking, listening, playing, muttering and singing. No material is better than our enthusiasm and fun. We don't need to invest too much time in classroom for this. 10 to 15 minutes twice a day are enough. We should be well prepared. These 10 to 15 minutes can be scheduled whenever the students have time, after the lunch- break or in the last period. All efforts are only to make the ears habitual of listening to the new language and enjoy it. It has to be informal. No formal testing or evaluation should be done.

- During this period we may need some resources which will help us to create the right environment to learn a new language in the class. A list of such sources is enlisted here where we can find materials in different languages:
  - National Council of Educational Research and Training
  - State Council of Educational Research and Training
  - District Institutes for Education and Training
  - Centre for Cultural Resources and Training
  - Children Film Society
  - National Book Trust
  - Any other institution interested in Bhasha Sangam.

### **Process of learning: Children's responses**

When children listen to a new language that they may not have heard earlier, they would respond differently. It is a possibility that at the earnest, some students may not show any interest in the language as they may find it strange, some may find it amusing and some others may even make fun of it. We should be prepared for all kinds of responses. The respect, interest and enthusiasm displayed by us, while introducing the new language to the students, will guide development of their attitude towards it.



## Creative assessment

During assessment, it would be helpful to keep in mind that the objective of this programme is not to teach students the language; it is not possible in twenty days. Listening to these sentences of the reference language is attributed to listening of the language. Moreover, the objective of this programme is not rote memorization of these sentences. Rather, the change in our attitude towards a language that is different from the one that we are familiar with during the programme will be the signal of its success. The emergence of understanding among students that there are diverse languages in our country (and in the world) and are equally accomplished as well as beautiful as their own language will lead to love and respect for all languages. It is important that our assessment procedures should be able to recognize this understanding. The reference of assessment should be such that students are able to enjoy the usage of language.

During the programme for 20 days, we should observe the responses, participation and enthusiasm of students. Keep recording of your comments in a notebook. If we have been able to create a conducive environment for acquiring a new language during the initial month, then observation will not be a difficult task. We can do the assessment at three levels:

- As whole class group
- In small groups or pairs
- At individual student level

With reference to the programme, assessment on the basis of suggested sentences can be done on different aspects of the language. Sentences have been categorized in different topics. In this manner, every topic provides a novel context for communication. The five questions mentioned below, focus on various aspects of the language. Assessment can include words, meaning of words and sounds in context, identification of some prominent words and guessing their meaning in context, asking questions by referring to the context of the language. This assessment does not judge the memory power of the students in any way. Similarly, there should not be too much emphasis on correct pronunciation as regional variations in pronunciation of any language is obvious.

Question 1. Can students listen and differentiate between sentences of the reference language from other languages?

Question 2. Can students guess the context/ topic by listening to the suggested 100 sentences?

Question 3. Are the students able to come up with meanings of prominent words from the suggested topics in focused discussions?

Question 4. Can students answer the questions asked in the reference language?

Question 5. Can students ask a question from the suggested topics in the reference language, after becoming aware of the context?

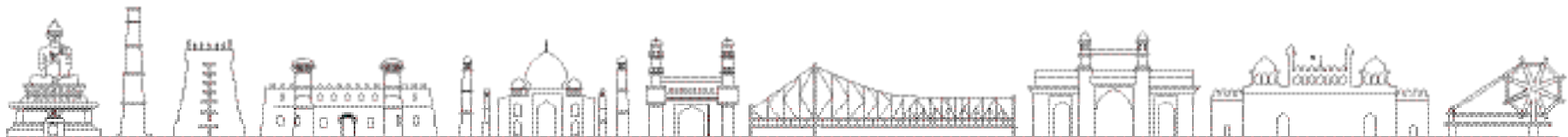
Some suggested methods for assessment of aforementioned questions are given below. You can change them according to the need

and the context. Keep a detailed record of the changes or self-created methods used for assessment.

- Make students listen to 3 or 4 audio clips of different languages. Ask them to identify the audio clip of language they are learning.
- Let students listen to the conversation on a topic from the reference language or ask two students to perform a role play or play an audio clip. Students should be able to identify the subject or topic of the conversation.
- When students are able to identify the topic/ subject of conversation, ask them to reveal the words and their meanings that enabled them to guess the topic/ subject.
- Ask a question in the reference language from the suggested topics/ subjects. The students should be able to reply to the question in the same language.
- Give reference to a topic/ subject. Ask the students to carry on with the conversation in the same language.

It will be a good practice that all these activities are conducted in the classroom in play-way manner. Appreciate capacity for guessing, finding the meaning and understanding of the students. It is important for two reasons. The first is that the foundation of a language is inherent in finding the meaning of the utterances. The second is that everyday life does not focus on precision in multilingualism but on attempting to understand each other. Similarly, we should also try to understand what students want to convey.

Urdu	Urdu Devanagri	Hindi	Urdu Roman	English
پہلا دن جان پہچان	पहला दिन जान-पहचान	पहला दिन जान-पहचान	<b>Pahla Din Jaan Pahchaan</b>	<b>First day Introduction/ Familiarisation</b>
آپ کا نام کیا ہے؟	आपका नाम क्या है?	आपका नाम क्या है?	Aap Ka Naam Kya Hai?	What is your name?
میرا نام مسکان ہے۔	मेरा नाम मुस्कान है।	मेरा नाम मुस्कान है।	Mera Naam Muskaan Hai.	My name is Muskan
آپ کس جماعت میں پڑھتی ہیں؟	आप किस जमात में पढ़ती हैं?	आप किस कक्षा में पढ़ती हैं?	Aap Kis Jamaat Mein Padhtee Hain?	In which class do you study?
میں آٹھویں جماعت میں پڑھتی ہوں۔	मैं आठवीं जमात में पढ़ती हूँ।	मैं कक्षा आठ में पढ़ती हूँ।	Main Aathwin Jamaat Mein Padhtee Hun.	I study in Class VIII.
آپ کے والدین کا کیا نام ہے؟	आपके वालदेन का क्या नाम है?	आपके माता-पिता का क्या नाम है?	Aapke Waldain Ka Kya Naam Hai?	What are the names of your parents?
میری ماں کا نام قدسیہ اور والد کا نام شفیق ہے۔	मेरी माँ का नाम कुदसिया और वालिद का नाम शफी है।	मेरी माँ का नाम कुदसिया और पिता का नाम शफी है।	Meri Maa Ka Naam Qudsiya Aur Walid Ka Naam Shafi Hai.	My mother's name is Qudsiya and my father's name is Shafi.



Urdu	Urdu Devanagri	Hindi	Urdu Roman	English
آپ کہاں رہتی ہیں؟	आप कहाँ रहती हैं?	आप कहाँ रहती हैं?	Aap Kahaan Rahtee Hain?	Where do you live?
میں دہلی میں رہتی ہوں۔	मैं दिल्ली में रहती हूँ।	मैं दिल्ली में रहती हूँ।	Main Delhi Mein Rahtee Hun.	I live in Delhi.
دوسرا اور تیسرا دن میرا اسکول	दूसरा और तीसरा दिन मेरा स्कूल	दूसरा और तीसरा दिन मेरा स्कूल	<b>Dusra Aur Tisra Din Mera School</b>	<b>Second &amp; third day My School</b>
آپ کے اسکول کا کیا نام ہے؟	आपके स्कूल का क्या नाम है?	आपके स्कूल का क्या नाम है?	Aapke School ka Kya Naam Hai?	What is the name of your school?
میرے اسکول کا نام راجکیہ بال ویدیالہ ہے۔	मेरे स्कूल का नाम राजकीय बाल विद्यालय है।	मेरे स्कूल का नाम राजकीय बाल विद्यालय है।	Mere School Ka Naam Rajkiya Bal Vidyalaya Hai.	The name of my school is Rajkiya Bal Vidyalaya.
آپ کے کلاس ٹیچر کون سا مضمون پڑھاتے ہیں؟	आपके क्लास टिचर कौन-सा मज़मून पढ़ाते हैं?	आपके कक्षाध्यापक कौन-सा विषय पढ़ाते हैं?	Aapke class teacher Kaun Sa Mazmoon Padhaate Hain?	What subject does your class teacher teach?
میرے کلاس ٹیچر اردو زبان پڑھاتے ہیں۔	मेरे क्लास टिचर ऊर्दू ज़बान पढ़ाते हैं।	मेरे कक्षाध्यापक ऊर्दू भाषा पढ़ाते हैं।	Mere class teacher Urdu Zabaan Padhaate Hain.	My class teacher teaches Urdu language.



Urdu	Urdu Devanagri	Hindi	Urdu Roman	English
آپ کی دل چسپی کس مضمون میں زیادہ ہے؟	आपकी दिलचस्पी किस मज़मून में ज़्यादा है?	आपकी रुचि किस विषय में अधिक है?	Aapki Dilchaspi Kis Mazmoon Mein Ziyaada Hai?	Which subject interests you the most?
مجھے اردو زبان پڑھنا اچھا لگتا ہے۔	मुझे ऊर्दू ज़बान पढ़ना अच्छा लगता है।	मुझे ऊर्दू भाषा पढ़ना अच्छा लगता है।	Mujhe Urdu Zabaan Padhnaa Acchha Lagtaa Hai.	I like learning Urdu language.
آپ کو زبان پڑھنا کیوں اچھا لگتا ہے؟	आपको ज़बान पढ़ना क्यों अच्छा लगता है?	आपको भाषा पढ़ना क्यों अच्छा लगता है?	Aapko Zabaan Padhnaa Kyun Acchha lagtaa Hai?	Why do you like learning language?
اس میں نظمیں ہوتی ہیں، کہانیاں ہوتی ہیں اور ڈرامے ہوتے ہیں۔	इसमें नज़्में होती हैं, कहानियाँ होती हैं और ड्रामे होते हैं।	इसमें कविताएँ होती हैं, कहानियाँ होती हैं और नाटक होते हैं।	Ismein Nazmein Hoti Hain, Kahaniyaan Hoti Hain aur draamey Hote Hai.	I like learning languages because they have poetry, stories and drama.
ہاں، ہاں، نائک تو ہم کھیل بھی سکتے ہیں۔	हाँ-हाँ, नाटक तो हम खेल भी सकते हैं।	हाँ-हाँ, नाटक तो हम खेल भी सकते हैं।	Haan Haan Natak To Hum Khel Bhi Saktey Hain.	Yes, we can play drama.
آپ کون کون سی زبانیں بول سکتی ہیں؟	आप कौन-कौन सी ज़बानें बोल सकती हैं?	आप कौन-कौन सी भाषायें बोल सकती हैं?	Aap Kaun Kaun Si Zabaanein Bol Sakti Hain?	Which are the languages you can speak?



Urdu	Urdu Devanagri	Hindi	Urdu Roman	English
میں اردو، ہندی، انگریزی اور سنسکرت بول سکتی ہوں۔	مैं ऊर्दू, हिंदी, अंग्रेज़ी और संस्कृत बोल सकती हूँ।	मैं ऊर्दू, हिंदी, अंग्रेज़ी और संस्कृत बोल सकती हूँ।	Main Urdu, Hindi, Angreze, Aur Sanskrit Bol Sakti Hun.	I can speak Urdu, Hindi, English and Sanskrit.
چوتھا دن میرے والدین	चौथा दिन मेरे वालदेन	चौथा दिन मेरे माता-पिता	<b>Chautha Din Mere Waldain</b>	<b>Fourth day My Parents</b>
آپ کے گھر میں کھانا کون پکاتا ہے؟	आपके घर में खाना कौन पकाता है?	आपके घर में खाना कौन पकाता है?	Aap Ke Ghar Mein Khaana Kaun Pakaata Hai?	Who cooks food in your house?
ہمارے گھر میں امی اور ابو دونوں کھانا پکاتے ہیں۔	हमारे घर में अम्मी और अब्बु दोनों खाना पकाते हैं।	हमारे घर में माँ और पिताजी दोनों खाना बनाते हैं।	Hamare Ghar Mein Ammi Aur Abbu dono Khaana Pakaate Hain.	Both my father and mother cooks food in our house.
آپ کو اسکول کون پہنچاتا ہے؟	आपको स्कूल कौन पहुँचाता है?	आपको स्कूल कौन पहुँचाता है?	Aapko school kaun pahunchata hai?	Who drops you at school?
مجھے اسکول چھوڑنے کبھی امی جاتی ہیں، کبھی ابو جاتے ہیں۔	मुझे स्कूल छोड़ने कभी अम्मी जाती हैं, कभी अब्बु जाते हैं।	मुझे स्कूल छोड़ने कभी माँ जाती हैं, कभी पिताजी जाते हैं।	Mujhe school chorney kabhi ammi jaati hain, kabhi abbu jaate hain	Either my father or my mother drop me at school.





Urdu	Urdu Devanagri	Hindi	Urdu Roman	English
پیرنٹ ٹیچر میٹنگ میں کون کون آتا ہے؟	پیرنٹ-ٹیچر میٹنگ में कौन-कौन आता है?	अभिभावक-शिक्षक मीटिंग (पैरेंट-टीचर मीटिंग) में कौन- कौन आता है?	Parent teacher meeting mein kaun kaun Aata hai?	Who comes to attend parent-teacher meeting?
پیرنٹ ٹیچر میٹنگ میں امی اور ابو دونوں آتے ہیں۔	पैरेंट-टीचर मीटिंग में अम्मी और अब्बु दोनों आते हैं।	अभिभावक-शिक्षक मीटिंग (पैरेंट-टीचर मीटिंग) में अम्मी और अब्बु दोनों आते हैं।	Parent teacher meeting Mein Ammi aur Abbu dono Aate hain.	Sometimes my father and sometimes my mother come to the Parent teacher meeting.
پانچواں دن کھانا پینا	पाचवाँ दिन खान-पान	पाचवाँ दिन खान-पान	<b>Panchwa Din Khan-Pina</b>	<b>Fifth day Food</b>
آپ کو کھانے میں کیا پسند ہے؟	आपको खाने में क्या पसंद है?	आपको खाने में क्या पसंद है?	Aapko khaane mein kya pasand hai?	What do you like to eat?
مجھے کھجڑی کھانا پسند ہے۔	मुझे खिचड़ी खाना पसंद है।	मुझे खिचड़ी खाना पसंद है।	Mujhe Khichri Khaana Pasand hai.	I like to eat Khichdi.
آپ کے علاقے میں کون سا پھل زیادہ ملتا ہے؟	आपके इलाके में कौन-सा फल ज्यादा मिलता है?	आपके इलाके में कौन-सा फल ज्यादा मिलता है?	Aap ke Ilaaqey mein kaun sa phal ziyada miltaa hai?	Which fruit is available in plenty your area?



Urdu	Urdu Devanagari	Hindi	Urdu Roman	English
ہمارے یہاں امرود اور پیپٹا زیادہ ملتا ہے، لیکن مجھے انگور پسند ہے۔	हमारे यहाँ अमरूद और पपीता ज़्यादा मिलता है, लेकिन मुझे अंगूर पसंद है।	हमारे यहाँ अमरूद और पपीता ज़्यादा मिलता है, लेकिन मुझे अंगूर पसंद है।	Hamaare yahaan Amrood aur Papitaa ziyada milta hai, lekin mujhe angoor pasand hai.	Guava, Papaya, are available in my area, but I like Grapes.
چھٹا دن صحت	छठा दिन सेहत	छठा दिन सेहत	Chhathaa Din Sehat	Sixth day Health
آپ صبح کب جاگتی ہیں؟	आप सुबह कब जागती हैं?	आप सुबह कब जागती हैं?	Aap subah kab Jaagti Hain?	At what time do you get up in the morning?
میں صبح چھ بجے اٹھتی ہوں۔	मैं सुबह छः बजे उठती हूँ।	मैं सुबह छः बजे उठती हूँ।	Main Subah 6 Bajey Uthtee Hoon.	I get up at six O'clock in the morning.
کیا آپ کسرت کرتی ہیں؟	क्या आप कसरत करती हैं?	क्या आप व्यायाम करती हैं?	Kya Aap Kasrat Kartee Hain?	Do you do exercise?
ہاں، میں یوگا کرتی ہوں۔	हाँ, मैं योगा करती हूँ।	हाँ, मैं योग करती हूँ।	Haan, Main Yoga Kartee Hoon.	Yes, I do yoga.
آپ کے اسکول میں کوئی یوگا کے استاد ہیں؟	आपके स्कूल में कोई योगा के उस्ताद हैं?	आपके स्कूल में कोई योग शिक्षक हैं?	Aapke School mein koi Yoga ke Ustaad Hain?	Is there a yoga teacher in your school?



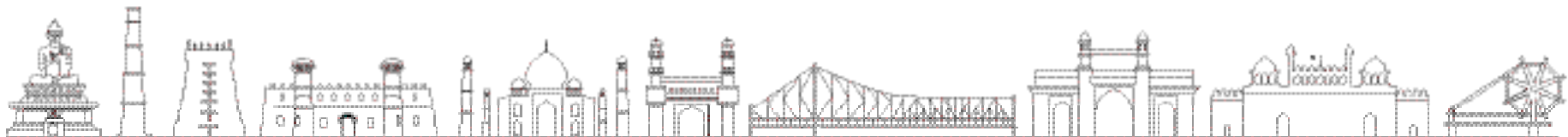
Urdu	Urdu Devanagri	Hindi	Urdu Roman	English
ہاں، ہمارے اسکول میں یوگا کے استاد ہیں۔	हाँ, हमारे स्कूल में योगा के उस्ताद हैं।	हाँ, हमारे स्कूल में योग शिक्षक हैं।	Haan Hamaare School Mein Yogaa ke Ustaad Hain.	Yes, we have a yoga teacher in our school.
وہ ہمیں یوگا اور دوسری ورزش سکھاتے ہیں۔	वो हमें योगा और दूसरी वरिज़श सिखाते हैं।	वे हमें योग और दूसरे व्यायाम सिखाते हैं।	Wo Hamein Yogaa Aur Doosri Warzish Sikhaate Hain.	He teaches us yoga and other excercises.
ساتواں دن کھیل - کود	सातवाँ दिन खेल-कूद	सातवाँ दिन खेल-कूद	<b>Satwaan Din Khel-kood</b>	<b>Seventh day Games and Sports</b>
آپ کو کھیلنا پسند ہے؟	आपको खेलना पसंद है?	आपको खेलना पसंद है?	Aapko Khelnaa Pasand Hai?	Do you like to play?
ہاں، مجھے فٹ بال کھیلنا پسند ہے۔	हाँ, मुझे फुटबॉल खेलना पसंद है।	हाँ, मुझे फुटबॉल खेलना पसंद है।	Haan, Mujhe Futbaal Khelnaa Pasand Hai.	Yes, I like to play football.
مجھے انڈور گیم پسند ہے اور آپ کو؟	मुझे इनडोर गेम पसंद है और आपको?	मुझे इनडोर गेम पसंद है और आपको?	Mujhe Indor Game Pasand Hai Aur aapko?	I like indoor games and what about you?



Urdu	Urdu Devanagri	Hindi	Urdu Roman	English
مجھے بھی، میں ٹیبل ٹینس کھیلتی ہوں۔	मुझे भी, मैं टेबल-टेनिस खेलती हूँ।	मुझे भी, मैं टेबल-टेनिस खेलती हूँ।	Mujhe Bhi, Main Table Tennis Khelti Hun.	I too, I play table tennis.
آپ ویڈیو گیم کھیلتی ہیں؟	आप वीडियो गेम खेलती हैं?	आप वीडियो गेम खेलती हैं?	Aap Video Game Kheltee Hain?	Do you play video games?
نہیں، مجھے ویڈیو گیم پسند نہیں ہے۔ مجھے باہر کھیلنا پسند ہے۔	نہیں، मुझे वीडियो गेम पसंद नहीं है। मुझे बाहर खेलना पसंद है।	नहीं, मुझे वीडियो गेम पसंद नहीं है। मुझे बाहर खेलना पसंद है।	Nahin, Mujhe Video Game Pasand Nahin Hai. Mujhe Baahar Khelna Pasand Hai.	No, I don't like video games. I play outdoor games.
آٹھواں، نوواں اور دسواں دن ہمارے آس پاس	आठवाँ, नौवाँ और दसवाँ दिन हमारे आस-पास	आठवाँ, नौवाँ और दसवाँ दिन हमारे आस-पास	<b>Athwaan, Nawaan Aur Daswaan Din Hamaare Aas Paas</b>	<b>Eighth, Ninth and Tenth day Our Surroundings</b>
آپ کے علاقے میں کون سی ندی بہتی ہے؟	आपके इलाके में कौन-सी नदी बहती है?	आपके इलाके में कौन-सी नदी बहती है?	Aapke Ilaaqey Mein Kaun Si Nadi Bahtee Hai?	Which river flows in your area?
میرے علاقے میں جمنا ندی بہتی ہے۔	मेरे इलाके में जमना नदी बहती है।	मेरे इलाके में यमुना नदी बहती है।	Mere Ilaaqey Mein Jamna Nadi Bahtee Hai.	River Yamuna flows through our area.



Urdu	Urdu Devanagri	Hindi	Urdu Roman	English
اس کے کنارے بہت سے باغیچے ہیں۔	उसके किनारे बहुत से बागीचे हैं।	उसके किनारे बहुत सारे बगीचे हैं।	Uske Kinaare Bahut Sey Baageeche Hain.	There are many gardens on banks of it.
ہم سب وہاں گھومنے جاتے ہیں۔	हम सब वहाँ घूमने जाते हैं।	हम सब वहाँ घूमने जाते हैं।	Ham Sab Wahaan Ghoomne Jaate Hain.	We go there for a stroll.
آپ کہاں گھومنے جاتے ہیں؟	आप कहाँ घूमने जाते हैं?	आप कहाँ घूमने जाते हैं?	Aap kahaan Ghoomne Jaate Hain?	Where do you go for a stroll?
ہم پارک میں گھومنے جاتے ہیں۔	हम पार्क में घूमने जाते हैं।	हम पार्क में घूमने जाते हैं।	Ham Park Mein Ghoomne Jaate Hain.	We go to the park for a stroll.
ہمارے شہر کے باہر ایک پہاڑ ہے۔	हमारे शहर के बाहर एक पहाड़ है।	हमारे शहर के बाहर एक पहाड़ है।	Hamaare Shahar Ke Baahar Ek Pahaar Hai.	There is a mountain outside our city.
یہ گھومنے کی بہت اچھی جگہ ہے۔	ये घूमने की बहुत अच्छी जगह है।	यह घूमने की बहुत अच्छी जगह है।	Ye Ghoomne ki bahut Acchhi Jagah Hai.	This is a nice place to move around.
آپ کے علاقے میں کھیت ہیں؟	आपके इलाके में खेत हैं?	आपके इलाके में खेत हैं?	Aapke Ilaaqey Mein Khet Hain?	Are there fields in your area?



Urdu	Urdu Devanagri	Hindi	Urdu Roman	English
ہاں، ہمارے علاقے میں بہت سارے کھیت ہیں۔	हाँ, हमारे इलाके में बहुत सारे खेत हैं।	हाँ, हमारे इलाके में बहुत सारे खेत हैं।	Haan, Hamaare Ilaaqey Mein Bahut saare Khet Hain.	Yes, there are many fields in our area.
وہاں جنگل بھی ہے۔	वहाँ जंगल भी है।	वहाँ जंगल भी है।	Wahaan Jangal Bhi Hai.	There is also a jungle here.
اُس جنگل میں ایک جھرنا ہے۔	उस जंगल में एक झरना है।	उस जंगल में एक झरना है।	Us Jangal Mein Ek Jharnaa Hai.	There is a stream in the jungle.
آپ نے جھرنا دیکھا ہے؟	आपने झरना देखा है?	आपने झरना देखा है?	Aapne Jharnaa Dekhaa Hai?	Have you seen a stream?
نہیں، میں نے تو جھرنا نہیں دیکھا ہے میں دیکھنا چاہوں گا۔	नहीं, मैंने तो झरना नही देखा है। मैं देखना चाहूँगा।	नहीं, मैंने तो झरना नही देखा है। मैं देखना चाहूँगा।	Nahin, Maine to Jharnaa nahi dekhaa hai. Mein Dekhnaa Chahoonga.	No, I would like to see one.
ہمارے گاؤں آنا، میں آپ کو جھرنا دکھاؤں گی۔	हमारे गाँव आना, मैं आपको झरना दिखाऊँगी।	हमारे गाँव आना, मैं आपको झरना दिखाऊँगी।	Hamaare Gaon Aanaa, Main Aapko Jharnaa Dikhaoongi.	Come to our village, I will show you the stream.





Urdu	Urdu Devanagri	Hindi	Urdu Roman	English
گیارھواں دن موسم	ग्यारहवाँ दिन मौसम	ग्यारहवाँ दिन मौसम	<b>Gyarahwaan Din Mausam</b>	<b>Eleventh day Weather</b>
اُف! آج بہت گرمی ہو رہی ہے، اب بارش ہونی چاہیے۔	उफ़! आज बहुत गर्मी हो रही है, अब बारिश होनी चाहिए।	उफ़! आज बहुत गर्मी हो रही है, अब बारिश होनी चाहिए।	Uf, Aaj Bahut Garmi Ho rahi Hai, Ab Baarish Honi Chaahiye.	Oh! Its too hot today; I wish it rains now.
آپ کے علاقے کا موسم کیسا ہے؟	आपके इलाके का मौसम कैसा है?	आपके क्षेत्र में मौसम कैसा है?	Aapke Ilaaqey Ka Mausam Kaisa Hai?	How is the weather in your area?
وہاں کا موسم زیادہ تر معتدل یا گرم رہتا ہے۔	वहाँ का मौसम ज्यादातर मोतदिल या गर्म रहता है।	वहाँ का मौसम सामान्य या गर्म रहता है।	Wahaan Ka Mausam Ziyaadaatar Motadil Ya Garm Rahta Hai.	The weather there is moderate or hot generally.
کیا آپ نے ریگستان دیکھا ہے؟	क्या आपने रेगिस्तान देखा है?	क्या आपने रेगिस्तान देखा है?	Kya Aapne Registaan Dekhaa Hai?	Have you seen a desert?
نہیں، میں نے ریگستان نہیں دیکھا ہے۔	नहीं, मैंने रेगिस्तान नहीं देखा है।	नहीं, मैंने रेगिस्तान नहीं देखा है।	Nahin, Maine Registaan Nahin Dekhaa hai.	No, I have not seen a desert.



Urdu	Urdu Devanagri	Hindi	Urdu Roman	English
وہاں تو بہت گرمی ہوتی ہے۔	वहाँ तो बहुत गर्मी होती है।	वहाँ तो बहुत गर्मी होती है।	Wahaan to Bahut Garmi Hoti Hai.	It's very hot there.
ہاں، لیکن رات میں ریت ٹھنڈی ہوتی ہے۔	हाँ, लेकिन रात में रेत ठंडी होती है।	हाँ, लेकिन रात में रेत ठंडी हो जाती है।	Haan, Lekin Raat Mein Reit Thandi Hoti Hai.	Yes but the sand becomes cold at night.
میں بھی ریگستان دیکھنا چاہتی ہوں۔	मैं भी रेगिस्तान देखना चाहती हूँ।	मैं भी रेगिस्तान देखना चाहती हूँ।	Main Bhi Registaan Dekhnaa Chaahti Hoon.	I would like to see the desert.
میں پچھلی گرمی کی چھٹیوں میں اپنے گھر والوں کے ساتھ پہاڑوں میں گھومنے گئی تھی۔	मैं पिछली गर्मी की छुट्टियों में अपने घरवालों के साथ पहाड़ों में घूमने गयी थी।	मैं पिछली गर्मी की छुट्टियों में अपने परिवार के साथ पहाड़ों में घूमने गयी थी।	Main Pichli Garmi Ki Chuttiyon Mein Apne Ghar waalon Ke Saath Pahaaron Mein Ghoomne Gayi Thi.	Last summer holidays I had visited Himalayas with my family.
وہاں سردیوں میں بہت برف گرتی ہے۔	वहाँ सर्दियों में बहुत बर्फ गिरती है।	वहाँ सर्दियों में बहुत बर्फ गिरती है।	Wahaan Sardiyon Mein Bahut Barf Girti Hai.	It snows a lot during winter.



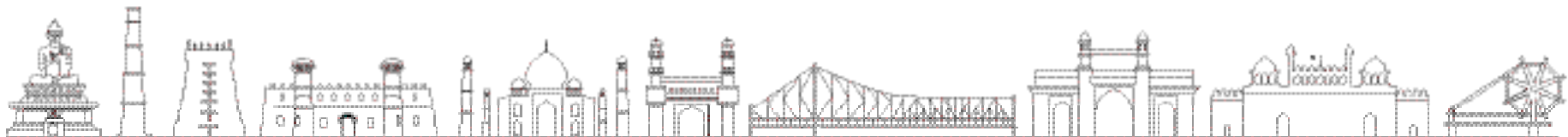
Urdu	Urdu Devanagri	Hindi	Urdu Roman	English
بارھواں، تیرھواں، چودھواں اور پندرھواں دن جشن۔ تہوار	बारहवाँ, तेरहवाँ, चौदहवाँ और पंद्रहवाँ दिन उत्सव-त्योहार	बारहवाँ, तेरहवाँ, चौदहवाँ और पंद्रहवाँ दिन उत्सव-त्योहार	<b>Barahwaan, Terahwaan, Chawadhwaan Aur Pandrahwaan Din Jashn -Tehwar</b>	<b>Twelfth, Thirteenth, Forteenth and Fifteenth day Festival</b>
آپ کا پسندیدہ تہوار کون سا ہے؟	आपका पसंदीदा त्योहार कौन सा है?	आपका पसंदीदा त्योहार कौन सा है?	Aapka Pasandeedaa Tehwar Kaunsa Hai?	What is your favorite festival?
میرا پسندیدہ تہوار دیوالی ہے۔	मेरा पसंदीदा त्योहार दिवाली है।	मेरा पसंदीदा त्योहार दिवाली है।	Mera Pasandeedaa Tehwar Diwalee Hai.	My favorite festival is Diwali.
دیوالی مجھے بھی پسند ہے۔	दिवाली मुझे भी पसंद है।	दिवाली मुझे भी पसंद है।	Diwalee Mujhe Bhi Pasand Hai.	I like Diwali very much.
لیکن، مجھے ہولی زیادہ پسند ہے۔	लेकिन, मुझे होली ज़्यादा पसंद है।	लेकिन, मुझे होली ज़्यादा पसंद है।	Lekin, Mujhe Holey Zyaadaa Pasand Hai.	But, I like Holi most.
ہولی میں ہم خوب رنگ کھیتے ہیں۔	होली में हम खूब रंग खेलते हैं।	होली में हम खूब रंग खेलते हैं।	Holi mein Ham Khoob Rang Khelte Hain.	We play a lot with colours in Holi.
تہواروں میں ہم خوب مٹھائیاں بھی کھاتے ہیں۔	त्योहारों में हम खूब मिठाइयाँ भी खाते हैं।	त्योहारों में हम खूब मिठाइयाँ भी खाते हैं।	Tehwaaron Mein Ham Khoob Mithaiyaan bhi Khaate Hain.	We eat a lot of sweets during festivals.



Urdu	Urdu Devanagri	Hindi	Urdu Roman	English
ہاں، جیسے سوئیں عید کا خاص پکوان ہے۔	हाँ, जैसे सेवई ईद का खास पकवान है।	हाँ, जैसे सेवई ईद का खास पकवान है।	Haan, Jaise Sewain Eid Kaa Khaas Pakwaan hai.	Yes, Seviyan are special dish of Eid.
تہواروں میں میلوں میں گھومنا بہت اچھا لگتا ہے۔	त्योहारों में मेलों में घूमना बहुत अच्छा लगता है।	त्योहारों के समय मेले में घूमना बहुत अच्छा लगता है।	Tehwaaron Mein Melon Mein Ghoomna Bahut Acchaa Lagtaa Hai.	I like to roam around in fairs during festivals.
ہاں، مجھے بھی گھومنا پسند ہے۔	हाँ, मुझे भी घूमना पसंद है।	हाँ, मुझे भी घूमना पसंद है।	Haan, Mujhe Bhi Ghoomana Pasand Hai.	Yes, even I like to move around.
آپ کے اسکول میں یوم آزادی کیسے منایا جاتا ہے؟	आपके स्कूल में यौम - ए-आज़ादी कैसे मनाया जाता है?	आपके स्कूल में स्वतंत्रता दिवस कैसे मनाया जाता है?	Aapke School Mein Yaum-e-Azaadi Kaise Manaayaa Jata Hai.	How is Independence day celebrated in your school?



Urdu	Urdu Devanagri	Hindi	Urdu Roman	English
ہم جھنڈا پھراتے ہیں، قومی ترانہ گاتے ہیں اور لڈو بھی کھاتے ہیں۔	ہم झंडा फहराते हैं, कौमी तराना गाते हैं और लड्डू भी खाते हैं।	हम झंडा फहराते हैं, राष्ट्रगान गाते हैं और लड्डू भी खाते हैं।	Ham Jhandaa Phahraatey Hain, Qaumi Taraanaa Gaate Hain aur Laddoo Bhi Khaate Hain.	We hoist flag, sing the National Anthem, and eat laddoos too.
ایسے ہی یوم جمہوریہ بھی مناتے ہیں۔	ऐसे ही यौमे जम्हूरिया भी मनाते हैं।	ऐसे ही गणतंत्र दिवस भी मनाते हैं।	Aise Hi Yaume-Jamhooria Bhi Manaate Hain.	Republic Day is also celebrated in the same manner.
دو اکتوبر کو گاندھی جینتی کے موقع پر ہم سوچھتہ دوس مناتے ہیں۔	2 अक्तूबर को गाँधी जयंती के मौके पर हम स्वच्छता दिवस मनाते हैं।	2 अक्तूबर को गाँधी जयंती पर हम स्वच्छता दिवस मनाते हैं।	2 October Ko Gandhi Jayanti Ke Mauqe Par Ham Swacchtaa Diwas Manaate Hain.	We celebrate Swachhta Diwas on birth anniversary of Mahatma Gandhi on 2 <sup>nd</sup> October.
ہمارے اسکول میں عالمی یوم مادری زبان منایا جاتا ہے، جو 21 فروری کو منایا جاتا ہے۔	हमारे स्कूल में आलमी यौम-ए-मादरी ज़बान मनाया जाता है जो 21 फरवरी को मनाया जाता है।	हमारे स्कूल में मातृभाषा दिवस मनाया जाता है जो 21 फरवरी को होता है।	Hamaare School Mein Aalmi Yaume Madari Zabaan Manaayaa Jataa Hai, jo 21 farvari Ko manaya jataa Hai.	Mother Tongue Day is also celebrated in our school on 21 <sup>st</sup> February every year.



Urdu	Urdu Devanagri	Hindi	Urdu Roman	English
سولہواں اور سترہواں دن رشتے-ناٹے	सोलहवाँ और सत्रहवाँ दिन रिश्ते-नाते	सोलहवाँ और सत्रहवाँ दिन रिश्ते-नाते	<b>Solhwaan Aur Satrhwaan Din Rishte- Naate</b>	<b>Sixteenth &amp; Seventeenth day Relation</b>
آپ کے گھر میں کون کون رہتے ہیں؟	आपके घर में कौन-कौन रहते हैं।	आपके घर में कौन-कौन रहते हैं।	Aapke Ghar Mein Kaun-Kaun Rahte Hain?	Who are there at your home?
میرے گھر میں امی، ابو، دادا دادی، چاچا، چاچی اور ایک بہن ہے۔	मेरे घर में अम्मी, अब्बु, दादा, दादी, चाचा, चाची और एक बहन है।	मेरे घर में माँ, पिता, दादा, दादी, चाचा, चाची और एक बहन है।	Mere Ghar Mein Ammi, Abbu, Daadaa Daadee, Chaachaa, Chaachee Aur Ek Bahan Hai.	My father, mother, grandfather, grandmother, uncle, aunt and my sister are there in my home.
اچھا تو کیا آپ کبھی اپنے ماموں کے گھر بھی جاتی ہیں؟	अच्छा तो क्या आप कभी अपने मामु के घर भी जाती हैं?	अच्छा तो क्या आप कभी अपने मामा के घर भी जाती हैं?	Acchaa to kya aap Kabhi Apne maamu ke ghar bhi jaati hain?	Good. Do you like to visit your maternal uncle's house?
ہاں! میں چھٹی کے دنوں میں ماموں کے گھر جاتی ہوں، وہاں بہت اچھا لگتا ہے۔	हाँ, मैं छुट्टी के दिनों में मामु के घर जाती हूँ वहाँ बहुत अच्छा लगता है।	हाँ, मैं छुट्टी के दिनों में मामा के घर जाती हूँ वहाँ बहुत अच्छा लगता है।	Haan, Main Chhutti ke dino mein maamu ke ghar jaati hoon. Wahaan bahut accha lagtaa hai.	Yes, I visit my maternal uncle's house during holidays. I feel good there.





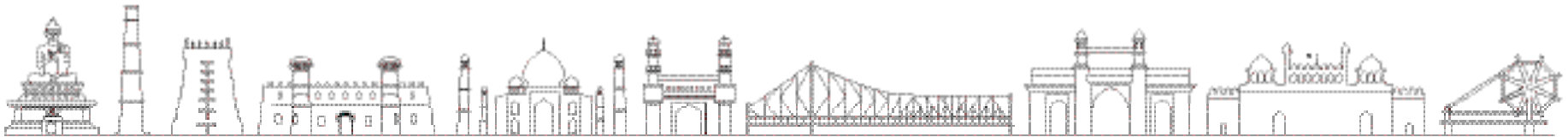
Urdu	Urdu Devanagri	Hindi	Urdu Roman	English
وہاں میرے ماموں، ممانی، خالہ اور نانا، نانی رہتے ہیں۔	वहाँ मेरे मामु, मुमानी, खाला और नाना, नानी रहते हैं।	वहाँ मेरे मामा-मामी, मौसी और नाना-नानी रहते हैं।	Wahaan mere maamu, mumani, khaalaa aur naanaa, naanee rahte hain	My maternal uncle- aunt, mother's sister, and grandparents live there.
ہماری نانی ہمیں بہت ساری کہانیاں سناتی ہیں۔	हमारी नानी हमें बहुत सारी कहानियाँ सुनाती हैं।	हमारी नानी हमें बहुत सारी कहानियाँ सुनाती हैं।	Hamaari naani hamein bahut saari kahaaniyaan sunaati hain	Our grandmother tells us a lot of stories.
کیا تم بھی اپنے ماموں کے گھر جاتے ہو؟	क्या तुम भी अपने मामु के घर जाते हो?	क्या तुम भी अपने मामा के घर जाते हो?	Kya tum bhi apne maamu ke ghar jaate ho?	Do you also visit your maternal uncle's house?
ہاں، میں تو اپنے ماموں اور پھوپھی دونوں کے گھر جاتا ہوں۔	हाँ, मैं तो अपने मामु और फूफी दोनों के घर जाता हूँ।	हाँ, मैं तो अपने मामा और बुआ दोनों के घर जाता हूँ।	Haan, main to apne maamu aur foofee dono ke ghar jaataa hoon.	Yes, I go to my maternal uncle and paternal aunt's house.
میری پھوپھی کے گھر میں ایک کتہ اور ایک بلی بھی ہے۔	मेरी फूफी के घर में एक कुत्ता और एक बिल्ली भी है।	मेरी बुआ के घर में एक कुत्ता और एक बिल्ली भी है।	Meri foofee ke ghar mein ek kuttaa aur ek billee bhi hai.	My aunt has a dog and a cat in her house.



Urdu	Urdu Devanagri	Hindi	Urdu Roman	English
میرے گھر میں تو گائے اور بچھڑے ہیں۔	मेरे घर में तो गाय और बछड़े हैं।	मेरे घर में तो गाय और बछड़े हैं।	Mere ghar mein to gaay aur bachrey hain.	I have a cow and a calf in my house.
ہمارے گاؤں میں بھینس اور بکریاں بھی ہیں۔	हमारे गाँव में भैंस और बकियाँ भी हैं।	हमारे गाँव में भैंस और बकियाँ भी हैं।	Hamaare gaon mein bhains aur bakriyan bhi hain.	Goats and buffaloes also live in my village.
میرے گھر میں ایک طوطا تھا، ایک دن وہ اڑ گیا، مجھے بڑا مزہ آیا۔	मेरे घर में एक तोता था। एक दिन वह उड़ गया। मुझे बड़ा मज़ा आया।	मेरे घर में एक तोता था। एक दिन वह उड़ गया। मुझे बड़ा मज़ा आया।	Mere ghar mein ek tota thaa, ek din woh ur gaya. Mujhe baraa mazaa aaya.	I had a parrot in my home. One day it flew away. I really enjoyed it.
اٹھارھواں اور انیسواں دن سفر	अठारहवाँ और उन्नीसवाँ दिन सफर	अठारहवाँ और उन्नीसवाँ दिन यात्रा	<b>Atharahwaan Aur Unniswaan Din Safar</b>	<b>Eighteenth and Nineteenth day Travel</b>
آپ اسکول کی چھٹیوں میں کہاں گھومنا پسند کرتی ہیں؟	आप स्कूल की छुट्टियों में कहाँ घूमना पसंद करती हैं?	आप स्कूल की छुट्टियों में कहाँ घूमना पसंद करती हैं?	Aap school ki chuttiyon mein kahaan ghoomnaa pasand karti hain?	Where do like to visit during the holidays?



Urdu	Urdu Devanagri	Hindi	Urdu Roman	English
مجھے گرمی کی چھٹیوں میں پہاڑوں پر گھومنا پسند ہے۔	मुझे गर्मी की छुट्टियों में पहाड़ों पर घूमना पसंद है।	मुझे गर्मी की छुट्टियों में पहाड़ों पर घूमना पसंद है।	Mujhe garmi ki chuttiyon mein pahaaron par ghoomnaa pasand hai.	I like to visit Mountain during summer holidays.
ان چھٹیوں میں کہاں جانے والی ہیں؟	इन छुट्टियों में कहाँ जाने वाली हैं?	इन छुट्टियों में कहाँ जाने वाली हैं?	In chuttiyon mein kahaan jaane walee hain?	Where are you planning to visit in this vacation.
میں ان چھٹیوں میں سکم یا کشمیر جانے والی ہوں۔	मैं इन छुट्टियों में सिक्किम या कश्मीर जाने वाली हूँ।	मैं इन छुट्टियों में सिक्किम या कश्मीर जाने वाली हूँ।	Main in chuttiyon mein Sikkim ya Kashmir jaane walee hoon.	I will be visiting either Sikkim or Kashmir in the holidays.
میری خواہش تو سردیوں کی چھٹیوں میں گوا یا انڈمان جانے کی ہے۔	मेरी ख्वाहिश तो सर्दी की छुट्टियों में गोवा या अंडमान जाने की है।	मेरी इच्छा तो सर्दी की छुट्टियों में गोवा या अंडमान जाने की है।	Meri khwaahish to sardiyon ki chuttiyon mein Goa ya Andmaan jaane ki hai.	I would like to go to Goa or Andaman during the winter holidays.
ارے انڈمان تو سمندر کے اندر ہے۔ وہاں کیسے جاتے ہیں؟	अरे अंडमान तो समندر के अंदर है। वहाँ कैसे जाते हैं?	अरे अंडमान तो समुद्र के अंदर है। वहाँ कैसे जाते हैं?	Arey Andmaan to samandar ke andar hai. Wahaan Kaise Jaate Hain?	Andaman is in Ocean, how do people go there?



Urdu	Urdu Devanagri	Hindi	Urdu Roman	English
وہاں ہوائی جہاز اور پانی والے جہاز دونوں سے ہی جا سکتے ہیں۔	وہاں ہوائی جہاز اور پانی والے جہاز دونوں سے ہی جا سکتے ہیں۔	وہاں ہوائی جہاز اور پانی والے جہاز دونوں سے ہی جا سکتے ہیں۔	Wahaan hawaai jahaaz aur paani waale jahaaz dono se hi jaa sakte hain	One can go there by a ship or an aeroplane.
بیسواں دن مقصد - میرے خواب	بیسواں دن مقصد / میرے خواب	بیسواں دن لکھ / میرے سونے	<b>Beeswaan Din Maqsad / Mere Khaab</b>	<b>Twentieth day Aim / My Dream</b>
آپ پڑھ لکھ کر کیا کرنا چاہتی ہیں؟	آپ پڑھ-لکھ کر کیا کرنا چاہتی ہیں؟	آپ پڑھ-لکھ کر کیا کرنا چاہتی ہیں؟	Aap padh likh kar kyaa krnaa chaahati hain?	What do you want to do after studies?
میں مصنف بننا چاہتی ہوں۔	میں مصنف بننا چاہتی ہوں۔	میں مصنف بننا چاہتی ہوں۔	Main Musannif Bannaa Chaahtee Hoon	I want to be a writer.
میں اپنے گھریلو تجارت میں مدد کروں گا۔	میں اپنے گھریلو تجارت میں مدد کروں گا۔	میں اپنے گھریلو تجارت میں مدد کروں گا۔	Main apne ghareloo tijaarat mein madad karoonga	I want to support our family business.
جیسے، کس طرح کی تجارت؟	جیسے، کس طرح کی تجارت؟	جیسے، کس طرح کی تجارت؟	Jaise, kis tarah kee tijaarat?	Like what kind of business?



Urdu	Urdu Devanagri	Hindi	Urdu Roman	English
کھیتی باڑی یا باغبانی یا دکان یا کپڑے کی تجارت۔	खेती-बाड़ी या बागवानी या दुकान या कपड़े की तजारात।	खेती-बाड़ी या बागवानी या दुकान या कपड़े का व्यवसाय।	Kheti baari ya baaghbani ya dukaan ya kaprey ki tijaarat.	Farming, gardening, shop, cloth business.
میں سیاست میں بھی جانا چاہتی ہوں۔	मैं सियासत में भी जाना चाहती हूँ।	मैं राजनीति में भी जाना चाहती हूँ।	Main siyaasat mein bhi jaanaa chaahtee hoon.	I want to join politics.
میری خواہش ایورسٹ پر جانے کی ہے۔	मेरी ख्वाहिश एवरेस्ट पर जाने की है।	मेरा सपना एवरेस्ट पर जाने का है।	Meri khwaahish Everest par jaane kee hai.	My dream is to climb the Mount Everest.
میں تو فوجی بننا چاہتی ہوں۔	मैं तो फौजी बनना चाहती/ चाहता हूँ।	मैं तो सैनिक बनना चाहती/ चाहता हूँ।	Main to fauji bannaa chaahti hoon.	I want to become a soldier.



### Grateful Acknowledgements are made to:

Ratnottama Das, Munshi Md. Younus, Chofia Basumatary, Bharat Bhushan, Sunita Gupta, Sharada, Satyanath, Mohan S. Niklje, Sushma Jatoo, Dhananjaya Kumar Acharya, Parmananda Jha, Reshma, Dabir Prachiti, Usha Joshi, Chakrapani Pokhrel, Ravi Prakash Tekchandani, Tamil Bharathan, Rajendra Mehta, C. Binodini Devi, Prithvi Raj Thapar, Indra Tekchandani, Parmananda Jha, Gayatri, Bishwajit Barua, Sunil Kumar, Rongjali Rabha, Krishna Aryal, Ranjit Behera, Jiten Murmu, Ashok Kumar, Preeti Shukla, M. Kishan, Yasmin Ashraf, Sandhya Singh, Amarendra Behera, Bharti Kaushik, K. C. Tripathi, Sandhya Sahoo, Mohd. Faruq Ansari, Lalchand Ram, Mohd. Moazzamuddin, Sanjay Kumar Suman, Diwan Hannan Khan, Kirti Kapur, Jatindra Mohan Mishra, R. Meganathan, Pramod Kumar Dubey, Chaman Ara Khan, Naresh Kohli, Meenakshi Khar, Ved Prakash Mishra, Neelkanth Kumar, Rajesh K. Nimesh, Suresh Makwana, (Late) S. G. Wadekar, Tarkeshwar Gupta, Abhishek Kumar Singh, Shakuntla, Moti Lal, Raj Roop, Mahesh Kumar Meena, Kiran Arora, Haseen Khan, Ashish Goyal, Munna, Gurindar Kaur, Ravi Ranjan, Shikha Patwa, Amit Kagra, Paromita Raha, Aarif, Chandan Kumar, Neelkanth Pan, Kriti Gautam, Abdur Razzaque Ziyadi, Imtiyaz Ahmad, Mohd. Tameer, Mohd. Fazil, Shabbir Ahmad, Gagan Arora, Rajat Kumar, Anita, Rekha, Nitin Tanwar, Devkee Nandan, Monu Kumar, Ata Hussain, Ashish Kumar, Jitin, Vivek Mandal, Himanshu, Bharti Singh, Megha Sharma, Riya Kumari, Usha Rawat, Karuna Shankar Tiwari, Devendar, Mukesh Vandana Arimardan, Vimlesh Chaudhary, Ajit Horo, Shanu Mukseem, B. Lungdoh, Amit Kumar, Kusumlata, Meenakshi Kukreti, Tanu Gupta, Jagbandhu Jana, Saumya Malik, Mayank kumar, Vikas Sangwan, Vikash K, Radhe Krishna, Saurav, Yogesh, Vivek Gupta, Deepak Bhardwai, Sanjeet Kumar, Payal Bose, Vijay Kumar, Rashik, Nikhil Sharma, Ankit Bairagi, Vipul Pal, Priya Tiwari and Gautami Gautam.

### For queries and comments please contact:

The Joint Director  
Central Institute of Educational Technology (CIET)  
NCERT, New Delhi 110016  
E-Mail: [jdciet.ncert@nic.in](mailto:jdciet.ncert@nic.in)  
Phone: 91-11-26962580

The Head  
Department of Education in Languages  
NCERT, New Delhi 110016  
E-Mail: [del.ncert@gmail.com](mailto:del.ncert@gmail.com)  
Phone: 91-11-26565336



विद्यया ऽ मृतमश्नुते



एन सी ई आर टी  
NCERT

**National Council of Educational Research and Training**

**Sri Aurobindo Marg, New Delhi-110016**

**Tel: +91-11-26519154 Fax: +91-11-26519159**

**Email: [director.ncert@nic.in](mailto:director.ncert@nic.in)**